सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 27 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 28 फरवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जोखिम तब होता है जब आपको पता नही होता है कि आप क्या कर रहे हैं।
-वॉरेन बफे

सेमीफाइनल में वालिफाई करने के इरादे से... 7 | मोदी के गुजरात नें शराब बंदी... 3 | विदेश की धरती पर मतभेद दिखाना... 2

खबरों की दुनिया में सबसे आगे 4PM

लगातार तीन वर्षों से नम्बर वन पोजिशन कायम

» सच की ताकत, दर्शकों की नवाजिशों का नतीजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता हमेशा आईना पसंद नहीं करती। क्योंकि आईना चेहरा दिखाता है और चेहरा जब सजा संवरा नहीं बल्कि दागदार हो तो आईना ही सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है। यही कहानी है उस मीडिया संस्थान की जिसने सरकारों को आईना दिखाने की जुर्रत की। जिसने सरकारों के सामने घुटने टेकने के बजाय आंखों में आंखें डालकर सवाल पूछे। जिसने विज्ञापन की मलाई से ज्यादा सच की आग को चुना। और इस जिद का नाम है 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क।

आज जब देश का बड़ा मीडिया वर्ग सत्ता के चरणों में पुष्प अर्पित करने में व्यस्त दिखता है तब 4पीएम ने सत्ता के सिंहासन के नीचे छिपे सच को खींचकर जनता के सामने रख दिया। यह वही दौर था जब सवाल पूछना देशद्रोह जैसा बना दिया गया था। जब पत्रकारिता का मतलब प्रेस रिलीज पढ़ना और स्टूडियो में चीखना भर रह गया था। लेकिन इसी अंधेरे में 4पीएम ने मशाल जलाने की कोशिश की। और इसकी यह कोशिश पाठकों को भा गयी और उन्होंने इसे देश का नम्बर वन मीडिया संस्थान बना दिया। यह दर्शकों की नवाजिशों का ही नतीजा है कि हम लगातार तीन वर्षों से नम्बर वन की पोजिशन पर है और करोड़ों/अरबो रूपये के बजट वाले मीडिया संस्थान हमारे आसपास तक नहीं पहुंच पा रहे है।

4PM ने संभाला लोकतंत्र का संतुलन

कहा जाता है कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है। लेकिन जब यह स्तंभ झुकने लगे तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। ऐसे समय में 4पीएम ने झुकने से इनकार किया। इसने न तो विज्ञापन के लिए अपनी आत्मा बेची और न ही दबाव में आकर अपने सवाल बदले। इसने वही किया जो पत्रकारिता का मूल धर्म है सच को सच कहना। आज जब मीडिया का बड़ा हिस्सा मैनेजमेंट के युग में जी रहा है तब 4पीएम ने मैनेज होने से इनकार कर दिया। इस इनकार की कीमत चुकानी पड़ी। लेकिन इस कीमत ने इसे कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत बनाया। क्योंकि हर मुकदमा हर दबाव हर प्रतिबंध ने इसे जनता के और करीब ला दिया। और यही वजह है कि आज यह सिर्फ एक मीडिया संस्थान नहीं बल्कि एक आंदोलन बन चुका है। एक ऐसा आंदोलन जिसने साबित किया कि अगर जिद सच की हो तो कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती।

4PM के बढ़ते कदम

आज 4पीएम सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि एक ब्रांड बन चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसकी पकड़ लगातार मजबूत हुई है। दर्शकों की संख्या बढ़ी है प्रभाव बढ़ा है और विश्वसनीयता नई ऊंचाइयों तक पहुंची है। डिजिटल मीडिया की दुनिया में जहां कई बड़े नाम मौजूद हैं वहां 4पीएम ने अपनी अलग पहचान बनाई है। यहां तक कि स्थापित प्लेटफॉर्म भी 4पीएम के आसपास नजर नहीं आते। टीआरपी और व्यूअरशिप के आंकड़े बताते हैं कि 4पीएम और दूसरे नंबर के संस्थान के बीच लंबा अंतर है। यह अंतर सिर्फ संख्या का नहीं बल्कि विश्वास का भी है।

Top Political Commentators on YouTube – Views Market Share (January 2026)

databeings

Excl. mainstream media. View Count as of 22nd February 2026 for January Uploaded videos only

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	129.0	9%	16	The Fact India	34.9	3%
2	Ulta Chasma uc	111.3	8%	17	Pragya Ka Panna	34.7	2%
3	Dhruv Rathee	91.7	7%	18	RJ Raunac	32.7	2%
4	The Jaipur Dialogues	86.9	6%	19	Sarthak Goswami	29.7	2%
5	Unite India	73.9	5%	20	THE CHANAKYA DIALOGUES HINDI	29.4	2%
6	DB live	72.7	5%	21	Apka Akhbar	28.0	2%
7	The Live Tv	68.1	5%	22	Headlines India	27.9	2%
8	NMF News	60.7	4%	23	Earth 24	27.7	2%
9	Jai Maharashtra News	58.1	4%	24	Harish Burnwal	27.3	2%
10	online news india	46.4	3%	25	Deepak Sharma	25.4	2%
11	Ajit Anjum	40.3	3%	26	The Deshbhakt (Akash Banerjee)	24.6	2%
12	Abhisar Sharma	38.7	3%	27	GLOBAL BHARAT TV	23.2	2%
13	Bharat Samachar	37.1	3%	28	The Credible History	22.1	2%
14	Ravish Kumar Official	36.3	3%	29	The Rajneeti	21.2	2%
15	CAPITAL TV	35.1	3%	30	The Newspaper	20.3	1%

संजय शर्मा के शब्द-शब्द में जिद और आग

हर क्रांति के पीछे एक चेहरा होता है और 4पीएम रूपी इस समाजिक क्रांति के पीछे है दमदार संपादक संजय शर्मा। जो कभी डरे नहीं और न ही कभी पीछे हटे। खबर का मतलब खबर। जस को तस छापने और कहने की हिम्मत रखने वाले संजय शर्मा की राह में कांटे बिछाये गये। आरोप लगे मुकदमे दर्ज हुए चैनल को बंद करने की कोशिशें हुईं। यहां तक कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से भी इसे हटाने की कार्रवाई हुई। लेकिन यह लड़ाई अदालत तक पहुंची और अंततः सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के हस्तक्षेप के बाद चीजें बहाल हुईं। यह सिर्फ कानूनी जीत नहीं थी बल्कि पत्रकारिता की जीत थी। यह उस जिद की जीत थी जिसने हार मानने से इनकार कर दिया। संजय शर्मा ने कभी पत्रकारिता को पेशा नहीं माना। उन्होंने इसे मिशन माना। एक ऐसा मिशन जिसमें जोखिम था संघर्ष था लेकिन समझौता नहीं था। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी विश्वसनीयता बनी। दर्शकों ने उन्हें सिर्फ पत्रकार नहीं बल्कि अपनी आवाज के रूप में स्वीकार किया। यही कारण है कि 4पीएम का हर शब्द लोगों के दिल तक पहुंचा। आज जब मीडिया में सुविधा पत्रकारिता का नया मानक बन चुकी है तब संजय शर्मा ने संघर्ष को अपना रास्ता बनाया। और यही संघर्ष 4पीएम की पहचान बन गया।

मशाल की रोशनी में सरकार बेनकाब

इस मशाल की रोशनी से कई चेहरे बेनकाब हुए। और यही वह वक्त था जब सत्ता असहज हुई। आरोप लगे मुकदमे दर्ज हुए दबाव बनाए गए। सिस्टम ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी ताकि यह आवाज खामोश हो जाए चुप हो जाए या फिर आंखे मूंद लें लेकिन ऐसा नहीं हुआ और 4पीएम की मशाल जलती रही और आगे भी जब तक पाठक चाहेंगे जलेगी क्योंकि इतिहास गवाह है कि सत्ता को सबसे ज्यादा डर बंदूक से नहीं कलम से लगता है।

वर्षों के संघर्ष-समर्पण और सच के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम

यह सफलता अचानक नहीं मिली। यह वर्षों के संघर्ष समर्पण और सच के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। आज 4पीएम सिर्फ खबर नहीं दिखाता बल्कि खबर की आत्मा को सामने लाता है। यह सिर्फ सूचना नहीं देता बल्कि चेतना जगाता है। और यही कारण है कि आज जब खबरों की दुनिया में भरोसे का संकट है तब 4पीएम भरोसे का दूसरा नाम बन चुका है। यह कहानी सिर्फ एक मीडिया हाउस की सफलता की नहीं है बल्कि उस जिद की है जिसने साबित किया अगर इरादे मजबूत हों तो छोटी शुरुआत भी इतिहास लिख सकती है और आज इतिहास के उसी पन्ने पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है खबरों की दुनिया में सबसे आगे 4पीएम।

विदेश की धरती पर मतभेद दिखाना कोई बीजेपी से सीखे: अखिलेश यादव

» बोले- सीएम टोक्यो जाने वाले ट्रेन पकड़कर क्योटो भी हो आते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर एकबार फिर तंज कसते हुए निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और सीएम योगी के बीच में जो दूरी है वो विदेश की धरती पर भी उसे दिखा देते हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर-जापान दौरे को लेकर निशाना साधा है।

सपा अध्यक्ष ने सीएम योगी के विदेश दौरे का जिक्र करते हुए केंद्र के साथ उनके रिश्तों को लेकर तंज कसा और कहा कि अगर वो क्योटो भी होकर आ जाते तो अच्छा रहता है लेकिन विदेश की धरती पर भी मतभेद दिखाना कोई बीजेपी वालों से सीखे। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अक्सर अपने व्यंग्यात्मक लहजे और अलग अंदाज निशाना साधने के लिए जाने जाते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब वाराणसी से चुनाव लड़ा था तो इस क्योटो बनाने का वादा किया था। सपा मुखिया ने इसी वादे को लेकर सीएम योगी पर तंज कसा है. अखिलेश यादव का दावा है कि केंद्र से दूरी की वजह से ही वाराणसी में मेट्रो नहीं आ पा रही है।

केशव मौर्य पर भी ली चुटकी

सपा अध्यक्ष ने इस पोस्ट में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के जर्मनी दौरे को लेकर भी उन्हें आड़े हाथों लेने की कोशिश की और कहा कि जर्मनी जाने के बाद भी उन्होंने विद्वेषवश वहां का साइकिल हाईवे नहीं देखा. दरअसल सीएम योगी जब सिंगापुर-जापान दौरे पर गए थे, तो केशव प्रसा मौर्य भी जर्मनी और ब्रिटेन दौरे के लिए रवाना हुए थे लेकिन जर्मनी के बाद उन्हें ब्रिटेन का वीजा नहीं मिल पाया, जिसकी वजह से उन्हें जर्मनी से ही वापस लौटना पड़ा।

सपा अध्यक्ष ने सीएम योगी पर कसा तंज

अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम योगी पर चुटकी लेते हुए पोस्ट किया और लिखा- टोक्यो जानेवाले अगर चाहते तो बुलेट ट्रेन पकड़कर क्योटो भी हो आते, और 'प्रधान इच्छा' की पूर्ति के लिए थोड़ा अनुभव ले आते लेकिन इस तरह कन्नी काटकर आना अच्छी बात नहीं. देश के अंदर का दुराव विदेश की धरती पर जाकर भी निभाना कोई भाजपाइयों से सीखे। उधर जर्मनी जाकर भी कोई विद्वेषवश वहाँ का 'साइकिल हाईवे' देखने नहीं गया और न ही भारत में नव धनाढ्य की निशानी बन रही मर्सिडीज़ का म्यूजियम देखने, कोई बता रहा था कि किसी ने उनसे ये कह दिया कि कार देखने की अनुमति तो होगी पर बैठने के लिए 'सीट' नहीं मिलेगी।

अच्छे कामों के खिलाफ है भाजपा: सीएम सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल पुलिस अच्छा काम कर रही है, भाजपा उसका विरोध कर रही है। भाजपा हर चीज के खिलाफ है। संविधान में हर राज्य को अधिकार दिए हैं, उसी के अनुसार राज्य कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल पुलिस अच्छा काम कर रही है, भाजपा उसका विरोध कर रही है। भाजपा हर चीज के खिलाफ है। संविधान में हर राज्य को अधिकार दिए हैं, उसी के अनुसार राज्य कार्य करते हैं।

» बोले- प्रदेश पुलिस अच्छा काम कर रही

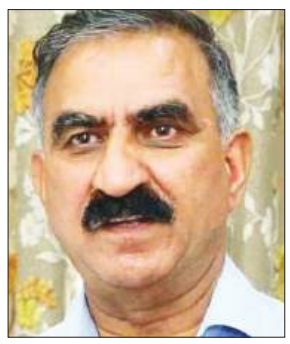

दिल्ली पुलिस को अगर यहां से किसी को लेकर जाना था तो यहां की स्थानीय पुलिस को सूचित करना चाहिए था। आईजीएमसी शिमला के दौरे के दौरान सीएम ने कहा कि दिल्ली पुलिस को कानून के तहत कार्य करना चाहिए था। कोई बगैर वर्दी के आएगा और किसी को उठा कर लेकर जाएगा और हिमाचल की पुलिस को जानकारी नहीं होगी तो यह उचित नहीं। दिल्ली पुलिस को ट्रांजिट रिमांड दस्तावेज दिखाने चाहिए थे। वहां के होटल मालिक से कुछ न कह कर वीडियो की रिकार्डिंग ले ली। उसको भी पता नहीं लगा कि क्या हो रहा है। जोर जबरदस्ती करना उचित नहीं है। आपसी तालमेल बनाना जरूरी होता है। दिल्ली पुलिस डीजीपी से मिलती और कह देती कि हम इस जगह जा रहे हैं तो इतनी बड़ी बात नहीं होती। सीएम ने कहा कि वह जयराम ठाकुर के बारे में अधिक टिप्पणी नहीं करना चाहता। दिल्ली-हरियाणा पुलिस किसी को भी उठा कर ले जाए और हम उसको जाने दें, तो हमारी पुलिस का काम क्या रह गया। किसी के अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि पिछले सरकार के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ नारे देते रहे। अस्पतालों में उपकरण तक नहीं बदले। आरडीजी मामले में भी भाजपा हमारा समर्थन नहीं कर रही है।

मप्र में सरकारी कैलेंडर में विदेशी हिरण की तस्वीर पर मचा बवाल

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा, वार-पलटवार

» दिग्विजय बोले- कैलेंडर में लगाया गया चित्र 'इम्पाला'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र राज्य सरकार के इस वर्ष के सरकारी कैलेंडर में छपी एक वन्यजीव की तस्वीर को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कैलेंडर में प्रकाशित हिरण की फोटो पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि यह प्रजाति मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि भारत में भी नहीं पाई जाती।

दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि कैलेंडर में लगाया गया चित्र 'इम्पाला' का है, जो अफ्रीकी महाद्वीप में पाया जाने वाला वन्यजीव है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि भविष्य में ऐसे मामलों में सावधानी बरती जाए। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को 'वाइल्डलाइफ स्टेट' के रूप में जाना जाता है और यहां बारहसिंगा, चिंकारा, काला हिरण जैसी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। ऐसे में यदि किसी विदेशी प्रजाति की तस्वीर सरकारी कैलेंडर में प्रकाशित हुई है, तो यह प्रशासनिक स्तर पर चूक मानी जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की।

विपक्ष के पास मुद्दों का अभाव : सारंग

वहीं, भाजपा सरकार की ओर से मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास ठोस मुद्दों का अभाव है, इसलिए वह छोटी-छोटी बातों को तूल दे रहा है। सारंग ने कहा कि सरकार विकास और जनहित के कार्यों पर केंद्रित है, जबकि कांग्रेस केवल आलोचना की राजनीति कर रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई नौ मार्च को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के विरुद्ध दाखिल की गई है।

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने कहा था कि नागरिकता संबंधी प्रश्न उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता ।याचिका में एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की गई है। आरोप भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत लगाए गए हैं। मामला पूर्व में रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित किया जा चुका है।

शिमला का नगर निगम बना राजनीतिक अखाड़ा

मासिक आम बैठक के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी झड़प

» महापौर ने 9 भाजपा पार्षदों को किया सस्पेंड, महिला मेयर की मांग पर अड़ा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पहाड़ों की रानी शिमला का नगर निगम राजनीतिक अखाड़े में तब्दील हो गया। नगर निगम की मासिक आम बैठक के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी झड़प हुई, जिसके बाद महापौर सुरेंद्र चौहान ने सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 9 पार्षदों को निलंबित कर दिया।

निलंबन की इस कार्रवाई के बाद सदन में घंटों तक नारेबाजी और गहमागहमी का माहौल बना रहा। भाजपा पार्षदों ने महापौर के कार्यकाल के विस्तार के मुद्दे पर बैठक में व्यवधान डाला। सदन से बाहर जाने का निर्देश दिए जाने के बाद उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और दावा किया कि चूंकि महापौर का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, इसलिए उन्हें निर्वाचित पार्षदों को निलंबित करने का अधिकार नहीं है। नारेबाजी कई मिनट तक जारी रही। भाजपा सदस्यों ने कहा कि जब तक नयी महापौर के रूप में किसी महिला का चुनाव नहीं हो जाता, वे निगम की कार्यवाही चलने नहीं देंगे। टकराव उस समय शुरू हुआ जब विपक्षी पार्षदों ने चौहान को सदन की अध्यक्षता करने से रोकते हुए कहा कि उन्हें बैठक संचालित करने का अधिकार नहीं है। इस पर कांग्रेस पार्षदों ने भी जवाबी नारेबाजी की और भाजपा पर जानबूझकर बैठक बाधित करने तथा जनविरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। बाद में भाजपा पार्षदों ने मीडिया से कहा कि महापौर का कार्यकाल बढ़ाने वाला अध्यादेश छह जनवरी 2026 को समाप्त हो गया है और राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में कोई नयी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा, हमारा महापौर से कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है लेकिन आरक्षण रोस्टर के अनुसार अब एक महिला को महापौर चुना जाना चाहिए। पार्षदों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर कांग्रेस का महिला-विरोधी रुख उजागर हो गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बागी विधायक बोले-कोई भी सपा में वापसी को तैयार नहीं

» अध्यक्ष पर लगाया भ्रम फैलाने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के सोशल मीडिया पर आए बयान पर बागी विधायकों ने तीखी प्रतिक्रि या दी है। आरोप लगाया कि सपा अध्यक्ष भ्रम फैला रहे हैं। अब उनके साथ कोई नहीं जाने वाला है।

सपा से नाता तोड़कर भाजपा के खेमे में जाने वाले गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह ने

कहा कि सपा और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष खयाली पुलाव पका रहे हैं। तरह-तरह के भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सपा से नाता तोड़ने वाले सभी विधायकों से उनकी बातचीत हुई है। ोई सपा में वापसी नहीं कर रहा है। राकेश प्रताप ने दावा किया कि कुछ समय बाद सपा के कई विधायक उनके साथ आएंगे। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि सपा की आंतरिक राजनीति से लोग आजिज आ चुके हैं। यही वजह है कि कई विधायक भाजपा में अपना भविष्य देख रहे हैं। इसी तरह गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह ने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उनकी सपा में वापसी को लेकर कोई कयास नहीं लगाया जाए। विधायक अभय सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी खुद को लेकर चल रही खबरों पर नाराजगी जताई है।

कहा कि अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए भ्रामक बातें कही जा रही हैं। उन्होंने लिखा कि जहां तक उन्हें जानकारी है, उनके साथ सपा से निष्कासित कोई अन्य साथी विधायक भी वापस नहीं जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम तो हमें मिल गए और माया की हमें आवश्यकता नहीं है।

मोदी के गुजरात नें शराब बंदी फेल या खेल

पूर्ण बंदी के दावों के बावजूद अवैध शराब की बिक्री जारी

» किसकी छत्रछाया में बिक रही है शराब?

» आखिर पूर्ण बंदी कब लागू होगी?

» 'गुजरात मॉडल' पर सियासी घमासान!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात में शराबबंदी को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष का आरोप है कि पूर्ण बंदी के दावों के बावजूद अवैध शराब की बिक्री जारी है। सरकार से पूछा जा रहा है कि आखिर किसकी छत्रछाया में यह कारोबार चल रहा है और पूर्ण शराबबंदी कब सख्ती से लागू होगी। गुजरात में शराबबंदी का सख्त कानून लागू है वहां एक बार फिर बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी ने सरकार के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कच्छ जिले के धनेटी और वडवाला गांवों के पास पुलिस की राज्य निगरानी सेल ने एक बड़ी छापेमारी की। जिसमें 56 हजार 88 बोतलें विदेशी शराब बरामद हुईं। इनकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। बता दें कि यह घटना न सिर्फ कानून-व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करती है बल्कि गुजरात सरकार की शराबबंदी नीति की हकीकत पर भी बड़ा सवाल उठाती है। कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार सिर्फ दावे करती है लेकिन जमीन पर शराब की तस्करी धड़ल्ले से चल रही है। उन्होंने गृह मंत्री से पूछा कि पूर्ण शराबबंदी कब लागू होगी। आज हम इस खबर में बात करेंगे कि यह मामला कैसे गुजरात की राजनीति को प्रभावित कर रहा है। गुजरात में शराब बंदी होने के बावजूद शराब धड़ल्ले से मिल रही है और समस समय पर शराब की खेप भी बरामद होती है लेकिन सरकार शराब तस्करी पर रोक लगाने में पूरी तरह से फेल है। बता दें कि यह छापेमारी 20 फरवरी को हुई। जब गुजरात पुलिस की एसएमसी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर धनेटी और वडवाला गांवों के पास ऑपरेशन चलाया यहां छह वाहनों दो ट्रक, तीन मिनी ट्रक और एक पिकअप वैन में छिपाकर रखी गई शराब बरामद की गई। जिसमें कुल 56 हजार 88 बोतलें इंडियन मेड फॉरेन लिकर की थी। जिनकी बाजार कीमत 4 करोड़ 85 हजार 270 रुपये बताई गई है। वाहनों की कीमत मिलाकर कुल बरामदगी 5 करोड़ 9 लाख रुपये से ज्यादा की है। पुलिस ने दो लोगों जसराम भरवाड़ और विशाल करमकम को गिरफ्तार किया। इनके खिलाफ पद्धर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

गुजरात में शराबबंदी का कानून 1960 से लागू

गुजरात में शराबबंदी का कानून 1960 से लागू है। महात्मा गांधी की जन्मभूमि होने के कारण यहां शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध है। सिर्फ परमिट धारकों को ही अनुमति है लेकिन यह घटना दिखाती है कि कानून कितना कमजोर है। कच्छ जैसे सीमावर्ती जिले में राजस्थान और महाराष्ट्र से तस्करी आसान है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तस्कर ट्रकों में छिपाकर शराब लाते हैं और स्थानीय नेटवर्क के जरिए बेचते हैं धनेटी जैसी जगहें दूरदराज हैं जहां निगरानी कम है।

गुजरात में पीने का पानी नहीं मिलता लेकिन शराब मांगो तो जितनी चाहिए उतनी मिल जाती है : चावड़ा

अमित चावड़ा गुजरात कांग्रेस के प्रमुख हैं उन्होंने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी। चावड़ा ने कहा कि गुजरात में पीने का पानी नहीं मिलता लेकिन शराब मांगो तो जितनी चाहिए उतनी मिल जाती है और उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और सरकार की मिलीभगत से तस्करी चल रही है। चावड़ा ने नशा मुक्त गुजरात अभियान चलाया है। जिसमें वे कहते हैं कि भाजपा सरकार में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है उन्होंने मुंद्रा पोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि पोर्ट से ड्रग्स और शराब की बड़ी खेपें आ रही हैं। गुजरात विधानसभा में हाल ही में चावड़ा ने शराब और ड्रग्स की बरामदगी पर सवाल उठाए और उन्होंने अहमदाबाद और सूरत में 2025 में बरामद 10.71 करोड़ की शराब और 3.87 करोड़ के ड्रग्स का जिक्र किया। चावड़ा ने पूछा कि इतनी बरामदगी के बावजूद तस्करी क्यों नहीं रुक रही उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बताएं और फरार लोगों पर क्या कार्रवाई

हुई। पुलिसकर्मियों की लापरवाही पर भी सवाल उठाए सरकार ने जवाब में कहा कि प्रवर्तन एजेंसियां सक्रिय हैं लेकिन विपक्ष इसे नाकाफी बताता है।

विस चुनाव पर होगा असर

वही अब यह मामला राजनीतिक हो गया है। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, विपक्ष इसे मुद्दा बना रहा है। चावड़ा ने नशा मुक्त गुजरात अभियान शुरू किया जिसमें वे कहते हैं कि सरकार नाकाम है। उन्होंने कहा कि शराब के हफ्ते गांव से सीएम ऑफिस तक जाते हैं सरकार को जवाब देना चाहिए कि तस्करी कैसे रुकेगी। गुजरात में शराबबंदी की जड़ें गहरी हैं। गांधीजी ने इसे नैतिक मुद्दा बनाया लेकिन आज तस्करी से मौतें हो रही हैं। 2026 में गांधीनगर में दो मौतें हुई। चावड़ा ने सरकार को जिम्मेदार ठहराया, पुलिस को सख्ती बरतनी होगी। धनेटी की घटना गुजरात की शराबबंदी की कमजोरी दिखाती है। अमित चावड़ा के हमलों से बहस तेज हुई है। सरकार को पारदर्शी कार्रवाई करनी होगी। जनता इंतजार कर रही है कि पूर्ण शराबबंदी कब आएगी। यह तो आने वाला वक्त ही तय करेगा।

कांग्रेस ने विस में उठाया मामला

वहीं इस बरामदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए है अगर शराबबंदी सख्त है, तो इतनी बड़ी मात्रा कहां से आई। रास्ता किसने खोला और यह शराब किसकी छत्रछाया में बिक रही है। कांग्रेस नेता अमित चावड़ा ने इन सवालों को विधानसभा में भी उठाया है और उन्होंने कहा कि सरकार दावे तो बड़े करती है लेकिन जमीन पर शराब और नशे की तस्करी बढ़ रही है। चावड़ा ने गृह मंत्री से पूछा कि क्या शराबबंदी कानून प्रभावी रूप से लागू है उन्होंने कहा कि निचले स्तर के पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होती है लेकिन ऊपरी अधिकारियों के लिए नियम क्यों नहीं हैं।

शराब तस्करी की बड़ी घटनाएं आम

वहीं यह पहली बार नहीं है जब गुजरात में शराब तस्करी की बड़ी घटना हुई है। जुलाई 2022 में बोताड जिले में नकली शराब से 42 लोगों की मौत हो गई थी। तब भी कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला था। चावड़ा ने कहा था कि पुलिस बूटलेगर्स से रिश्वत लेती है। 2025 में मुंद्रा पोर्ट से 875 करोड़ के ड्रग्स नष्ट किए गए कच्छ में ही 2026 में हेलमेट के नीचे छिपाकर 10 हजार बोतलें बरामद हुई। जिनकी कीमत 63 लाख थी ये घटनाएं दिखाती हैं कि शराबबंदी के दावों और हकीकत में बड़ा फर्क है।

कच्छ पाकिस्तान से लगा हुआ है वहां भी तस्करी जारी

कच्छ जिला सीमावर्ती है और पाकिस्तान से लगा हुआ है। यहां सुरक्षा कड़ी है लेकिन तस्करी जारी है। पुलिस का कहना है कि हरियाणा और राजस्थान से शराब आती है।

तस्कर स्थानीय नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं। धनेटी जैसी जगहें रेगिस्तानी है जहां वाहन आसानी से छिपाए जा सकते हैं एसएमसी की टीम ने रात भर ऑपरेशन चलाया, गिरफ्तार जसराम और विशाल से पूछताछ में सप्लाई चेन का पता चला पुलिस अब वांछित आरोपियों की तलाश में है।

भाजपा सरकार का दावा

शराबबंदी सख्ती से लागू है

भाजपा सरकार का दावा करती है कि शराबबंदी सख्ती से लागू है। गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि प्रवर्तन बढ़ाया गया है। 2025 में अहमदाबाद में 42 करोड़ की शराब और नशा बरामद हुआ लेकिन विपक्ष कहता है कि बरामदगी तो होती है चावड़ा ने आरोप लगाया कि डिप्टी सीएम के इलाके में भी अवैध गतिविधियां बढ़ी हैं उन्होंने कहा कि किसान पानी के लिए तरसते हैं, लेकिन शराब हर जगह उपलब्ध है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

भारतीय कशोरों में मानसिक असंतुलन व तनाव अनुचित

“ जैसे-जैसे भारत आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उतरोत्तर प्रगति कर रहा है, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के चलते तनाव, असंतोष और प्रतिस्पर्धा जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। छात्र, कर्मचारी, अधिकारी और गृहिणियां सभी किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं।

अभी हाल में बच्चों को मोबाइल गेम का शिकार होने की खबरें आती रहीं हैं। कु छ बच्चें तो जान भी दे दे रहे हैं। भारत में बीते 8-10 वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों में मानसिक असंतुलन, तनाव, अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसी घटनाओं का बढ़ना अत्यंत दुखद व चिंतनीय है। इन चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब सरकार, विश्वविद्यालय और नियामक संस्थाएं साथ मिलकर एक समन्वित रणनीति बनाएं। ऐसे में यदि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शैक्षणिक कार्यक्रम सभी सार्वजनिक वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किए जाएं, तो यह न केवल इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की कमी की पूर्ति करेगा अपितु समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता भी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। जैसे-जैसे भारत आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उतरोत्तर प्रगति कर रहा है, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आधुनिक जीवनशैली के चलते तनाव, असंतोष और प्रतिस्पर्धा जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। छात्र, कर्मचारी, अधिकारी और गृहिणियां सभी किसी न किसी प्रकार के मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं।

महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर यदि क्लिनिकल साइकोलॉजी, काउंसलिंग, बिहेवियरल साइंस, रिहैबिलिटेशन स्टडीज और न्यूरोसाइंस जैसे विषयों को प्रोत्साहन दिया जाए तो न केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञ तैयार होंगे अपितु ये संस्थान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियों, अनुसंधानों और समुदाय सेवा के सक्रिय केंद्र भी बन सकेंगे। यह विशेष शिक्षा विद्यार्थियों को यह समझने में सहायक होगी कि जीवन की चुनौतियों का सामना किस प्रकार संयमित और संतुलित रूप से किया जा सकता है। सार्वजनिक उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा से समाज और शिक्षा दोनों को भला होगा। इससे शिक्षकों और छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी, जिसके फलस्वरूप परीक्षा के दबाव, असफलता या प्रतिस्पर्धा के कारण बढ़ने वाले तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं में कमी आने की प्रबल संभावना है। यह उल्लेखनीय है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के समग्र विकास और कल्याण पर विशेष बल दिया गया है और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा अथवा विशेष शिक्षा उसी दिशा में एक सशक्त प्रयास सिद्ध हो सकती है। डिजिटल व सोशल मीडिया युग में बर्नआउट, डिजिटल लत और सामाजिक अलगाव जैसी नई मानसिक चुनौतियां सामने आ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की बड़ी मांग देखी गई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इस्राइल से दोस्ती और गहरी करने का उपक्रम

जयसिंह रावत

नवंबर, 2025 में, भारत के कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस्राइल का दौरा किया था और भारत- इस्राइल फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए स्ट्रक्चर्ड बातचीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर साइन किए। वाणिज्य मंत्री के इस दौरे के दौरान 250 से ज्यादा बी-टू-बी मीटिंग हुईं, साथ ही दोनों तरफ के बिजनेस और सरकारी नेताओं को एक साथ लाने वाले फोरम भी हुए। लेकिन ऐसा कुछ तय नहीं हुआ था कि भारत 'हेक्सागन अलायंस' का हिस्सा बनेगा। पीएम मोदी का दो दिवसीय इस्राइल दौरा 26 फरवरी, 2026 को समाप्त हो जायेगा। पूरी दुनिया की नजर व्यापार से अधिक हेक्सागन समझौते पर है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी थी, कि मोदी और उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू भारत- इस्राइल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सुरक्षा, साइंस-टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एग्रीकल्चर, वॉटर मैनेजमेंट, ट्रेड, इकॉनमी और लोगों के बीच उभयपक्षीय संबंधों पर अगले कदमों पर चर्चा करेंगे।

स्टॉकहोम स्थित 'सीपरी' ने 2025 में रिपोर्ट दी थी, कि इस्राइल 2020-24 में दुनिया का आठवां सबसे बड़ा हथियार एक्सपोर्टर था, और भारत इस्राइली हथियारों का सबसे बड़ा अकेला इंपोर्टर था, जो उस समय में इस्राइली एक्सपोर्ट का 34 प्रतिशत था। यह 34 प्रतिशत अब और कितना प्लस होता है, वह नए समझौते से स्पष्ट हो जायेगा। नेतन्याहू ने कहा, 'मेरे सामने जो विज़न है, उसके हिसाब से हम एक पूरा सिस्टम बनाएंगे। हेक्सागन ऑफ अलायंस का मकसद ऐसे देशों की एक धुरी बनाना है, जो मुस्लिम कट्टरपंथी गुटों के खिलाफ एक जैसी राय रखते हों। एक नहीं दोनों कट्टरपंथी गुट। पहला, ईरान की सरपरस्ती वाली शिया धुरी, जिस पर हमने बहुत जोरदार हमला किया है। और दूसरी, उभरती हुई कट्टरपंथी सुन्नी धुरी।' हालांकि, किसी भी सरकार ने इस प्लान, या इसके सांप्रदायिक ढांचे का खुले तौर पर समर्थन नहीं किया है। नेतन्याहू की ख्वाहिश है कि इस समूह में भारत, इस्राइल, ग्रीस, साइप्रस और कुछ उदारवादी अरब व अफ्रीकी देश शामिल हों।

यह दीगर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके विदेश मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। नेतन्याहू ने जिन तीन देशों का नाम लिया, उनमें से ग्रीस और साइप्रस इंटरनेशनल क्रिमिनल

कोर्ट के सदस्य हैं। 'आईसीसी' में जो कुछ पक रहा है, उसे काउंटर करने के वास्ते जो कुछ तैयारी नेतन्याहू की है, वो समझ में आने लगा है। किंग्स कॉलेज लंदन में सिक्योरिटी स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रियास क्रेग कमेंट करते हैं, कि इस्राइली प्रधानमंत्री शायद अपने आइडिया को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन ज़रूरी नहीं कि 'हेक्सागन अलायंस' नाटो स्टाइल के समझौते जैसा हो। नेतन्याहू 'शिया एक्सिस', जिसे 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' भी कहा जाता है, के खिलाफ अपनी 'जीत' को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। यह मध्य-पूर्व में इस्राइली और पश्चिमी असर का विरोध करने वाले ईरान केंद्रित नेटवर्क है। लेबनान में हिज्बुल्ला को ईरान सपोर्ट करता है। 2024 में इस्राइल द्वारा ज्यादातर लीडरशिप को खत्म करने से पहले हिज्बुल्ला तेहरान के साथ जुड़ा हुआ था। इराक में तेहरान कई शिया हथियारबंद समूहों के साथ रिश्ते बनाए हुए है, जिसमें कताइब हिज्बुल्ला जैसे ग्रुप शामिल हैं। हाल ही में, यमन में, हूथी, एक जैदी शिया आंदोलन, खास तौर पर उभरा है, जिसे तेहरान ने अधोसंरचनात्मक सहयोग, ट्रेनिंग और हथियार दिए हैं। इसके बर अक्स, सुन्नी अतिवादी समूह है। इस्राइल ने 2025 में इस इलाके के कम से कम 6 सुन्नी बहुल देशों पर हमला किया, जिसमें फलस्तीन, लेबनान, सीरिया और यमन शामिल हैं। गाजा से जुड़े ट्यूनीशिया और ग्रीस के इलाके में भी हमले किए। इस्राइल ने मिस्र, तुर्की, सऊदी अरब, इराक और जॉर्डन को भी धमकी दी है। इस इलाके के कई सुन्नी-बहुल देशों ने इस्राइल के इलाके में लड़ाई के जवाब में कूटनीतिक तरीके से कोऑर्डिनेट किया है। इस्राइल ने 26 दिसंबर, 2025 को सोमालीलैंड को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी है।

उस फैसले ने अरब लीग, खाड़ी सहयोग परिषद, अफ्रीकी यूनियन और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) देशों के बाद अब चीन को भी इस्राइल के खिलाफ खड़ा कर दिया है। सोमालीलैंड, लाल सागर और बाब अल-मंडेब के पास होने की वजह से 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' का सामरिक इलाका है, जिसने 1991 में गृहयुद्ध के दौरान सोमालिया से अलग होकर खुद को स्वतंत्र देश घोषित कर लिया था। सवाल है, भारत को हेक्सागन समझौते में शामिल होना चाहिए, या नहीं? निर्गुट आंदोलन के फाउंडिंग मेंबर होने के नाते, नई दिल्ली ने हमेशा से कट्टर गुट की पॉलिटिक्स से परहेज किया है।

आर्थिक योगदान व पर्यावरण क्षति का हो मूल्यांकन

जयसिंह रावत

उत्तराखंड सरकार के अनुसार गत वर्ष राज्य में पर्यटकों का आगमन 6 करोड़ पार कर गया, जो कुल आबादी से छह गुना अधिक है। 'इंडिया टूरिज्म कम्पोडियम 2025' के आंकड़ों पर गौर करें तो यह आंकड़ा कोई मायावी नहीं हैं, बल्कि हकीकत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की परिभाषा के आधार पर ही ये आंकड़े तैयार किये गये हैं। उन्हीं आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 64.6 करोड़ और तमिलनाडु में 30 करोड़ से अधिक पर्यटक पधारे थे। ये भारी-भरकम आंकड़े सरकारी फाइलों में सफलता के प्रमाणपत्र की तरह पेश किए जाते हैं, लेकिन इनकी गहराई में उतरते ही एक गंभीर विरोधाभास भी सामने आता है।

अगर किसी प्रदेश में सचमुच आनंद की अनुभूति के लिए इतने पर्यटक आ जायें तो उस प्रदेश का बेड़ापार ही हो जाये! क्या विशाल भीड़ वास्तव में वह 'पर्यटक' है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, या यह केवल एक सांख्यिकीय भ्रम है? 'संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन' के मानक 'पर्यटक' की परिभाषा को इतना व्यापक बना देते हैं कि इसमें श्रद्धा और सैर-सपाटे के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक रुकता है, तो उसे पर्यटक माना जाएगा, चाहे उद्देश्य धार्मिक हो या मनोरंजन। इन्हीं मानकों की ओट में भारतीय राज्य कांवड़ियों और साधुओं को भी 'पर्यटक' की श्रेणी में दर्ज कर लेते हैं। यहीं से उस धारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है जो संख्यात्मक बहुलता को आर्थिक समृद्धि का पर्याय मान लेती है। वास्तव में पर्यटक और तीर्थयात्री के उद्देश्य और खर्च करने की क्षमता में मौलिक अंतर होता है। पर्यटक होटलों में रुकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 'लिक्विड कैश' का संचार करता है। इसके विपरीत, पारंपरिक तीर्थयात्री अक्सर अपना भोजन साथ लेकर चलते हैं और उनकी यात्रा का उद्देश्य मानसिक शांति होती है, न कि आर्थिक उपभोग।

'प्लेजर टूर' या आनंदमयी यात्रा ही वास्तव में पर्यटन की वह मूल अवधारणा है जो इसे 'तीर्थाटन' से अलग करती है। पर्यटन का मुख्य आधार 'अवकाश' (लीजर) है, जिसे गिल्बर्ट सिगॉक्स ने एक ऐसी मानवीय गतिविधि माना है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मनोरंजन, ज्ञानवर्धन या स्वास्थ्य लाभ के लिए सामान्य परिवेश का त्याग करता है। तीर्थाटन जहां धार्मिक आस्था, कर्तव्य और मोक्ष की भावना से प्रेरित होता है, वहीं 'प्लेजर टूर' का प्राथमिक उद्देश्य मानसिक शांति, भौतिक सुख और व्यक्तिगत खुशी प्राप्त करना होता है। दरअसल, तीर्थाटन में जहां 'श्रद्धा' सर्वोपरि है, वहीं पर्यटन या 'प्लेजर टूर' जब हम इन दोनों श्रेणियों को एक ही तराजू में तौलते हैं, तो नीतिगत स्तर पर भारी चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां तीर्थाटन का बोलबाला है, वहां की अवसंरचना पर पड़ने वाला दबाव इन करोड़ों नवागन्तुकों की भीड़ से तय होता है, लेकिन उस दबाव को झेलने के लिए मिलने वाला राजस्व उस अनुपात में नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की भीड़ के लिए प्रशासन को सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य की जो व्यवस्था करनी पड़ती है, उसका वित्तीय बोझ करदाताओं की जेब पर पड़ता है, जबकि उस भीड़ से होने वाला प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ न्यूनतम होता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम केवल संख्या गिनने के लिए अपनी पारिस्थितिकी और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं? तर्कपूर्ण ढंग से देखें तो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक अवसंरचना भी पूरी तरह भिन्न होती है। एक हाई-वैल्यू पर्यटक को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, निजी स्थान और उच्चस्तरीय आतिथ्य की आवश्यकता होती है। यदि किसी गंतव्य पर तीर्थयात्रियों की अनियंत्रित भीड़ होगी, तो वह स्थान वास्तविक पर्यटकों के लिए अपनी अपील खो देगा। इसे 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' कहा जा सकता है, जहां कम खर्च करने वाली भीड़ अधिक खर्च करने वाले पर्यटकों को विस्थापित कर देती है। संवेदनशील हिमालयी राज्यों के लिए यह स्थिति और भी भयावह है। यहां की 'वहन क्षमता' सीमित है। करोड़ों की संख्या कागजों पर अच्छी लग सकती है, लेकिन क्या हमारे पहाड़, हमारी नदियां और हमारे शहर इतने लोगों का कचरा और उनकी जरूरतों का बोझ उठाने में सक्षम हैं? हमें राजस्व के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करना होगा।

क्या हम ऐसे आंकड़े सार्वजनिक कर सकते हैं जो यह बताएं कि प्रति व्यक्ति पर्यटक से राज्य को कितनी आय हुई? केरल जैसे राज्य ने इस मामले में एक अलग लकीर खींची है, जहां संख्या के बजाय 'वैल्यू' पर ध्यान दिया जाता है। वहां तीर्थयात्री भी आते हैं, लेकिन राज्य की ब्रांडिंग 'गॉड्स ओन कंट्री' के रूप में एक विशिष्ट पर्यटक वर्ग को आकर्षित करने के लिए की गई है। इसके उलट, उत्तर भारत के राज्यों में पर्यटन नीति अक्सर 'संख्या आधारित' होकर रह गई है। सांख्यिकीय जादूगीरी का यह आलम है कि यदि एक व्यक्ति अपनी यात्रा के दौरान तीन अलग-अलग जिलों में रुकता है, तो उसे तीन पर्यटक मान लिया जाता है। सामयिक परिप्रेक्ष्य में हमें अपनी पर्यटन नीति को 'परिमाण' से हटाकर 'गुणवत्ता' पर केंद्रित करना होगा। बजट 2026-27 में घोषित 'पर्यटन केंद्रों की रैंकिंग' की योजना तभी सफल होगी जब रैंकिंग के मानदंडों में केवल फुटफॉल (आगंतुकों की संख्या) को ही पैमाना न बनाया जाए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रति व्यक्ति राजस्व और आगंतुक के अनुभव को भी शामिल किया जाए।

अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है होलिका दहन

होली का त्योहार फाल्गुन पूर्णिमा के अगले दिन मनाया जाता है, जबकि फाल्गुन पूर्णिमा को भद्रा रहित मुहूर्त में होलिका दहन होता है। जब भद्रा होती है तो होलिका दहन और होली की तारीख में अंतर हो जाता है। इस वजह से होली दो दिन भी मनाई जाती है। होली का त्योहार भारत के सबसे रंगीन और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह त्योहार केवल रंगों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे का प्रतीक भी माना गया है। फाल्गुन माह में मनाई जाने वाली होली के दिन लोग पुराने मतभेद भुलाकर एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाते हैं और खुशियों के साथ त्योहार मनाते हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे फगुआ, धुलेंडी और रंगवाली होली जैसे नामों से भी जाना गया है। होलिका दहन में लोग अपनी नकरात्मकता को दूर करते हैं। होलिका दहन को अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक माना जाता है। होली हिंदुओं का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार है।

होलिका दहन का मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 2 मार्च दिन सोमवार को शाम में 5 बजकर 55 मिनट से प्रारंभ हो रही है, इस तिथि का समापन 3 मार्च दिन मंगलवार को शाम में 5 बजकर 7 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में फाल्गुन पूर्णिमा 3 मार्च मंगलवार को है, तो होली का त्योहार 4 मार्च दिन बुधवार को है। इस दिन चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि होगी।

पूजन विधि

होलिका दहन से पहले होली पूजन का विशेष विधान है। इस दिन सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। इसके बाद होलिका पूजन वाले स्थान में जाए और पूर्व या उत्तर दिशा में मुख करके बैठ जाएं। इसके बाद पूजन में गाय के गोबर से होलिका और प्रहलाद की प्रतिमाएं बनाएं। इसके साथ ही रोली, अक्षत, फूल, कच्चा सूत, हल्दी, मूंग, मीठे बताशे, गुलाल, रंग, सात प्रकार के अनाज, गेंहू की बालियां, होली पर बनने वाले पकवान, कच्चा सूत, एक लोटा जल मिष्ठान आदि के साथ होलिका का पूजन किया जाता है। इसके साथ ही भगवान नरसिंह की पूजा भी करनी चाहिए। होलिका पूजा के बाद होली की परिक्रमा करनी चाहिए और होली में जौ या गेहूं की बाली, चना, मूंग, चावल, नारियल, गन्ना, बताशे आदि चीज़ें डालनी चाहिए।

पौराणिक कथा

होली मनाने के पीछे शास्त्रों में कई पौराणिक कथा दी गई है। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा भक्त प्रहलाद और हिरण्यकश्यप की कहानी प्रचलित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा को बुराई पर अच्छाई की जीत को याद करते हुए होलिका दहन किया जाता है। कथा के अनुसार, असुर हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था, लेकिन यह बात हिरण्यकश्यप को बिल्कुल अच्छी नहीं लगती थी। बालक प्रह्लाद को भगवान की भक्ति से विमुख करने का कार्य उसने अपनी बहन होलिका को सौंपा जिसके पास वरदान था कि अग्नि उसके शरीर को जला नहीं सकती। भक्तराज प्रह्लाद को मारने के उद्देश्य से होलिका उन्हें अपनी गोद में लेकर अग्नि में प्रविष्ट हो गयी, लेकिन प्रह्लाद की भक्ति के प्रताप और भगवान की कृपा के फलस्वरूप खुद होलिका ही आग में जल गई। अग्नि में प्रह्लाद के शरीर को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस प्रकार होली का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है।

हर रंग का होता है खास महत्व

रंग का लोगों के जीवन में खास महत्व है। वहीं रंगों के साथ दुनिया में बेहद खूबसूरत लगती है। यह रंग हमारी आंखों को सुकून पहुंचाते हैं, तो वहीं जीवन में उमंग, प्यार और खूबसूरती को बढ़ाते हैं। लाल रंग को प्यार का प्रतीक माना जाता है। हालांकि होली में लाल रंग का गुलाल जोश और ऊर्जा को जाहिर करता है। प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाने वाली हरियाली हरे रंग से आती है। होली के मौके पर आप हरा रंग अपनों से बड़ों को लगा सकते हैं। होली के मौके पर लोग नारंगी रंग का उपयोग भी करते हैं। नारंगी रंग खुशियों, मिलनसारिता और खुशहाली का प्रतीक होता है। आप अपने दोस्तों, करीबियों और परिजनों को लगा सकते हैं। पीले रंग का गुलाल बेहद खूबसूरत लगता है। पीला रंग सुंदरता, पूजा और सम्मान का प्रतीक है। लड़कियों के चेहरे पर पीला रंग काफी आकर्षक लगता है। इसलिए बहनों को, महिला दोस्तों को या घर की महिलाओं को पीले रंग का गुलाल लगा सकते हैं।

हंसना मना है

ब्वॉयफ्रेंड (फोन पर)- हाय स्वीटहार्ट क्या कर रही हो? गर्लफ्रेंड- मेरी तबीयत खराब है जानू सोने जा रही हूं। ब्वॉयफ्रेंड- मैं सिनेमा हॉल में तेरे पीछे बैठा हूं।

संता अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में खाना खाने गया। खाते-खाते एकाएक संता अपनी गर्लफ्रेंड से बोला-सुनो मुझे तुमसे कुछ कहना है, गर्लफ्रेंड-खाना खाते समय बातें नहीं करनी चाहिए पहले खा लो, फिर कहना, खाना खत्म होने पर गर्लफ्रेंड ने पूछा-अब बताओ, क्या कहना चाह रहे थे? संता-तुम्हारी दाल में मक्खी थी।

एक महिला सांड को घी चुपड़ी रोटी खिला रही थी, सज्जन व्यक्ति-बहन ये सांड है गाय नही, यह प्रतिदिन गांव में तीन चार लोगों को सिंग मारकर हड्डियां तोड़ देता है, महिला-भाई साहब मुझे पता है कि यह सांड है। मेरे पति हड्डी के डॉक्टर हैं उनका हॉस्पिटल इस सांड के कारण ही चल रहा है।

कहानी | बाल गणेश और घमंडी चंद्रमा

हर किसी को मालूम है कि गणेश जी को मोदक और मिठाई कितनी पसंद है। इसलिए वो किसी के भी निमंत्रण को स्वीकार कर लेते हैं और पेट के साथ ही मन भर कर मिठाई खाते हैं। एक बार धनपती कुबेर ने भगवान शिव और माता पार्वती को भोज पर बुलाया, लेकिन भगवान शिव ने कहा कि मैं कैलाश छोड़कर कहीं नहीं जाता हूं और पार्वती जी ने कहा कि मैं अपने स्वामी को छोड़कर कहीं नहीं जा सकती, तब उन्होंने कहा कि आप हमारे स्थान पर गणेश को ले जाओ, वैसे भी उन्हें मिठाई और भोज बहुत पसंद आते हैं। तब कुबेर गणेश जी को अपने साथ भोज पर ले गए। वहां उन्होंने मन भर कर मिठाई और मोदक खाए। वापस आते समय कुबेर ने उन्हें मिठाई का थाल देकर विदा किया। लौटने समय चन्द्रमा की चांदनी में गणेश जी अपने चूहे पर बैठकर आ रहे थे, उसी समय अचानक चूहे का पैर किसी पत्थर से लगकर डगमगाने लगा। इससे गणेशी जी चूहे के ऊपर से गिर गए और पेट ज्यादा भरा होने के कारण अपने आप को संभाल नहीं सके और मिठाइयां भी यहां-वहां गिर गईं। यह सब चन्द्र देव ऊपर से देख रहे थे। उन्होंने जैसे ही गणेश जी को गिरता देखा, तो अपनी हंसी रोक नहीं पाए और उनका मजाक उड़ाते हुए बोले कि जब खुद को संभाल नहीं सकते, तो इतना खाते क्यों हो। चन्द्रमा की बात सुनकर गणेश जी को गुस्सा आ गया। उन्होंने सोचा कि घमंड में चूर होकर चन्द्रमा मुझे उठाने के लिए किसी प्रकार की सहायता नहीं कर रहा है और ऊपर से मेरा मजाक उड़ा रहा है। इसलिए, गणेश जी ने चन्द्रमा को श्राप दिया कि जो भी गणेश चतुर्थी के दिन तुमको देखेगा वह लोगों के सामने चोर कहलाएगा। श्राप की बात सुनकर चन्द्रमा घबरा गए और सोचने लगे कि फिर तो मुझे कोई भी नहीं देखेगा। उन्होंने शीघ्र ही गणेश जी से माफी मांगी। कुछ देर बात जब गणेश जी का गुस्सा शांत हुआ, तब उन्होंने कहा कि मैं श्राप तो वापस नहीं ले सकता, लेकिन तुमको एक वरदान देता हूं कि अगर वहीं व्यक्ति अगली गणेश चतुर्थी को तुमको देखेगा, तो उसके ऊपर से चोर होने का श्राप उतर जाएगा। तब जाकर चन्द्रमा की जान में जान आई। इसके अलावा एक और कहानी सुनने में आती है कि गणेश जी ने चन्द्रमा को उनका मजाक उड़ाने पर श्राप दिया था कि वह आज के बाद किसी को दिखाई नहीं देंगे। चन्द्रमा के मांफी मांगने पर उन्होंने कहा कि मैं श्राप वापस तो नहीं ले सकता, लेकिन एक वरदान देता हूं कि तुम माह में एक दिन किसी को भी दिखाई नहीं दोगे और माह में एक दिन पूर्ण रूप से आसमान पर दिखाई दोगे। बस तभी से चन्द्रमा पूर्णिमा के दिन पूरे दिखाई देते हैं और अमावस के दिन नजर नहीं आते।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। उत्साह से काम कर पाएंगे।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। आय बनी रहेगी।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

दीपिका पादुकोण ने ठुकराया 'द व्हाइट लोटस' का आफर

दीपिका पादुकोण लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। इस बीच पिछले काफी वक्त से दीपिका पादुकोण को लेकर चर्चाएं चल रही थीं कि वो एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज द व्हाइट लोटस के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। लेकिन अब इन खबरों को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। जिससे दीपिका के इस सीरीज का हिस्सा होने न होने के बारे में पता चलता है।

दीपिका पादुकोण से इस शो के लिए संपर्क किया गया था और बातचीत भी हुई थी। लेकिन अब ऐसा बताया जा रहा है कि शो के लिए ऑडिशन देना अनिवार्य था। लेकिन दीपिका ऐसा नहीं करना चाहती थीं, इसलिए वो अब सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि द व्हाइट लोटस के लिए ऑडिशन कास्टिंग प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है। निर्माता कलाकारों को साइन करने से पहले उनका ऑडिशन लेना चाहते थे। दीपिका ऑडिशन देने के लिए इच्छुक नहीं थीं।

यही कारण था कि उन्हें द व्हाइट लोटस का मौका छोड़ना पड़ा। यह पहली बार नहीं है जब शो ने उनसे संपर्क किया है। बताया जा रहा है कि उनसे पहले

तीसरे सीजन के लिए भी संपर्क किया गया था, लेकिन तब उन्होंने प्रेग्नेंसी के कारण ऑफर को ठुकरा दिया था।

हालांकि, अभी तक दीपिका पादुकोण या उनकी टीम की ओर से इन खबरों पर कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। लेकिन अगर दीपिका इस सीरीज का हिस्सा बनतीं, तो यह उनका दूसरा इंटरनेशनल प्रोजेक्ट होता। दीपिका ने साल 2017 में आई फिल्म ×X×: Return of Xander Cage से हॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में दीपिका विन डीजल, डोनी येन, क्रिस वू, रूबी रोज, टोनी जा, नीना डोब्रेव और टोनी कोलेट समेत कई जाने-माने कलाकारों के साथ नजर आई थीं।

माइक व्हाइट द्वारा निर्मित, लिखित और निर्देशित द व्हाइट लोटस का प्रीमियर 11 जुलाई 2021 को हुआ था। यह ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा एंथोलॉजी है, जिसे काफी पसंद किया गया। पहला सीजन हवाई में फिल्माया गया था, इसके बाद दूसरा सीजन सिसिली में और तीसरा सीजन थाईलैंड में फिल्माया गया। अब आगामी चौथे सीजन की शूटिंग फ्रांस में होने की खबर है।

दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। हालांकि, इस बीच पिछले साल दीपिका अपनी 8 घंटे काम करने की शिफ्ट वाले बयान को लेकर सुर्खियों में रहीं।

वहीं उनकी इसी शर्त के चलते उनके 'कल्की 2898 एडी' के सीक्वल और 'स्पिरिट' जैसी फिल्मों से हटने की खबरें भी सुर्खियों में रहीं।

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं : डेजी शाह

बॉलीवुड | मसाला

डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है। फिल्मीग्यान को दिए एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं।

डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू ड्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार' और 'पैसा' में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो। मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया, ताकि वे जब भी चाहें, बच्चे कर सकें। वर्कफ्रंट की बात करें, तो डेजी शाह आखिरी बार वेब सीरीज रेड रूम में नजर आई थी। वे अब पलाश मुच्छल के निर्देशन में बनी फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ श्रेयास तलपडे नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अब फिल्मों में अधिक इंटिमेसी होने लगी है : भाग्यश्री

सलमान खान के साथ फिल्म 'मैंने प्यार किया' से अपनी शुरुआत करने वाली भाग्यश्री ने 90 के दशक की फिल्मों और आज की फिल्मों के बीच अंतर को लेकर बात की। उन्होंने मौजूदा वक्त में फिल्मों में अनावश्यक इंटिमेसी दिखाने पर नाराजगी जताई। साथ ही उनका मानना है कि इंटिमेसी के बिना भी फिल्म बनाई जा सकती है और सफल भी हो सकती है। वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान भाग्यश्री ने 90 के दशक और आज के सिनेमा में आए बदलावों के बारे में बात की। जब उनसे पूछा गया कि आज के सिनेमा में कौन से बदलाव उन्हें पसंद हैं और कौन से नापसंद? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि सिनेमा समाज का प्रतिबिंब है। 90 के दशक में यह मनोरंजन का एकमात्र साधन था, परिवार को एक साथ समय बिताने का एकमात्र मौका देने वाला मनोरंजन था। आज परिवार छोटे हो गए हैं, लोग अधिक व्यक्तिवादी हो गए हैं और क्रिएटिव आर्ट के माध्यम भी कई हो गए हैं। इसलिए अब लोगों के पास विकल्प भी बहुत हैं। अभिनेत्री का मानना है कि हर तरह के दर्शक को खुश करना अब नामुमकिन हो गया है। फिल्में अलग-अलग गुटों, शैलियों, इंडी फिल्मों, आर्ट फिल्मों आदि में बंट गई हैं। मुझे सच में लगता है कि भले ही अब रियलिस्टिक सिनेमा ज्यादा बनता है। लेकिन ऐसी इंटिमेसी दिखाना जरूरी नहीं है, जिससे आप अपने माता-पिता या बच्चों के साथ बैठकर असहज महसूस करें। कहानियां समाज के प्रति विद्रोह दिखाए बिना भी साहसी, अलग और दिलचस्प हो सकती हैं। भाग्यश्री ने कहा कि 90 के दशक में कहानियों में पेट्रियाकल किरदारों का बोलबाला था। इससे अभिनेत्रियों के लिए शादी के बाद फिल्में करने के मौके कम हो गए थे। हालांकि, अभी भी वर्किंग महिलाएं समाज के लिए एक अवधारणा ही हैं, लेकिन अधिक शिक्षित महिलाओं के आगे आने से महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है। शादी के बाद महिलाओं को पढ़ने और काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए पुरुष भी बधाई के पात्र हैं।

यहां विधवा महिलाएं भी खेलती हैं खुलकर होली, कोई नहीं कर सकता है रोक-टोक

रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन वृंदावन में इससे जुड़ी एक खास परंपरा ने समाज की सोच को बदलने का काम किया है। यहां अब विधवा महिलाएं भी खुलकर होली के उत्सव में भाग लेती हैं और फूलों व रंगों से त्योहार मनाती हैं। जो महिलाएं पहले सामाजिक नियमों के कारण त्योहारों से दूर रखी जाती थीं, वे अब दोबारा खुशियों के साथ जीवन का उत्सव मना रही हैं। वृंदावन में विधवाओं की होली मनाने की शुरुआत औपचारिक रूप से वर्ष 2013 में हुई थी। इस पहल को सुलभ इंटरनेशनल ने आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान और खुशी लौटाना था, जो लंबे समय से सामाजिक परंपराओं के कारण अकेलेपन और उपेक्षा का जीवन जी रही थीं। दरअसल, पीढ़ियों से देश के कई हिस्सों में विधवाओं को रंगीन कपड़े पहनने या त्योहारों में शामिल होने से रोका जाता था। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे सादगी और विरक्ति का जीवन बिताएं। वृंदावन की इस होली ने सदियों पुरानी सोच को चुनौती दी। पहली बार विधवा महिलाओं ने गुलाल लगाया, रंग-बिरंगी साड़ियां पहनीं और दूसरों की तरह उत्सव में शामिल होकर समाज को एक नई दिशा दिखाई। साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने वृंदावन में रहने वाली विधवाओं की कठिन परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की थी। इस पहल से सामाजिक सुधार के प्रयासों को गति मिली और कई संगठनों को उनकी जिंदगी बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रेरणा मिली। वृंदावन में विधवाओं की होली बेहद आध्यात्मिक माहौल में मनाई जाती है। महिलाएं मंदिरों और आश्रमों में एकत्रित होती हैं, फूलों की पंखुड़ियां उड़ाती हैं, गुलाल लगाती हैं, भक्ति गीत गाती हैं और भगवान श्री कृष्ण को समर्पित भजनों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लेती हैं। यह समारोह अक्सर रंगभरी एकादशी के आसपास आयोजित होता है, जो भगवान कृष्ण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। चूंकि वृंदावन को श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की भूमि माना जाता है, इसलिए यहां होली का विशेष महत्व है। इस उत्सव में विधवाओं की भागीदारी अब सामाजिक परिवर्तन, सम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।

अजब-गजब | कार्डबोर्ड खाने का शौकीन है ये शख्स

यह व्यक्ति हर डिश में मिलाता है कार्डबोर्ड के टुकड़े इसको सबसे ज्यादा पसंद है ब्राउन वाला कागज

TLC चैनल के पॉपुलर शो 'My Strange Addiction' में एक ऐसी कहानी सामने आई है जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। अमेरिका के मेम्फिस से ताल्लुक रखने वाले टेरी नाम के एक शख्स को कार्डबोर्ड खाने की लत है। वह बचपन से ही इस आदत में फंसे हुए हैं और अब 39 साल की उम्र में भी यह जारी है। शो के एपिसोड 'Hot Glue Eater, Cardboard Consumption, Breastfeeding' (सीजन 7, एपिसोड 4) में टेरी ने अपनी पूरी कहानी बताई, जो लोगों को स्तब्ध कर गई।

टेरी बताते हैं कि उनकी यह लत 6 साल की उम्र में शुरू हुई। एक दिन उन्होंने कार्डबोर्ड का टुकड़ा मुंह में डाला और उसे स्वादिष्ट लगा। तब से उन्होंने इसे जारी रखा है। अब वह हर खाने में कार्डबोर्ड मिलाते हैं। सुबह अंडे बनाते समय 'स्पेशल इंग्रीडिएंट' के तौर पर कार्डबोर्ड के छोटे टुकड़े छिड़कते हैं, जो उन्हें 'सबटल फ्लेवर' देता है। उनका फेवरेट ब्राउन बॉक्स वाला कार्डबोर्ड है। वह कहते हैं कि इसमें कई तरह के कार्डबोर्ड होते हैं, लेकिन रेगुलर ब्राउन बॉक्स सबसे अच्छा लगता है।

टेरी इस आदत को घरवालों से छिपाते हैं।

अपनी मां के साथ रहते हुए भी वह सुबह जल्दी उठकर खाना बनाते हैं ताकि कोई ना देखे। कार्डबोर्ड को पहले अच्छे से धोते हैं, सुखाते हैं और फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर खाते हैं। कभी-कभी उसे गीला करके क्रिस्पी बनाते हैं। वह खुद को 'कार्डबोर्ड किंग' कहते हैं और मानते हैं कि कार्डबोर्ड खाने से उन्हें 'स्पेशल पावर' मिलती है। जैसे स्पिरिचुअल अवेकनिंग। लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें डर है कि समाज उन्हें स्वीकार नहीं करेगा।

डॉक्टर्स इसे 'पिका डिसऑर्डर' कहते हैं. यह एक तरह का ईटिंग डिसऑर्डर है जहां लोग नॉन-फूड चीजें खाने की तलब महसूस करते हैं। पिका में लोग मिट्टी, कागज, बाल, पेंट, प्लास्टिक या कार्डबोर्ड जैसी चीजें खाते हैं। यह अक्सर न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी (जैसे आयरन या जिंक की कमी), मेंटल हेल्थ इश्यूज (डिप्रेशन, एंग्जायटी) या ऑटिज्म से जुड़ा होता है। टेरी के केस में यह बचपन से चला आ रहा है, शायद किसी अनसुलझे इमोशनल ट्रॉमा या सेंसरी इश्यू के कारण। कार्डबोर्ड खाने के स्वास्थ्य जोखिम बहुत है। कार्डबोर्ड में केमिकल्स, ग्लू, इंक और डाई होती हैं जो बॉडी में जहर फैला सकती है। लंबे समय तक खाने से दांत खराब हो सकते हैं, पेट में ब्लॉकेज, इंटेस्टाइनल डैमेज, इंफेक्शन या लीवर प्रॉब्लम्स हो सकती है। कुछ केस में लोग पेपर या कार्डबोर्ड खाने से कोलन ऑब्स्ट्रक्शन तक पहुंच गए है। टेरी को अभी तक कोई बड़ा फिजिकल प्रॉब्लम नहीं हुई, लेकिन डॉक्टर्स चेतावनी देते हैं कि यह जारी रहने से जानलेवा हो सकता है।

केजरीवाल के बरी होने के बाद सियासत गरमाई

कांग्रेस बोली -पंजाब में मुख्य विपक्षी दल को कमजोर करने की योजना

» भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' : पवन खेड़ा

» आप ने भाजपा को निशाने पर लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने के बाद सियासत आरंभ हो गई है। जहां आप ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है । वहीं कांग्रेस ने भी इस फैसले को लेकर भाजपा को घेरा है। अरविंद केजरीवाल और कई अन्य के बरी होने के बाद कांग्रेस ने आज दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गुजरात और पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के प्रमुख को 'नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर' पेश कर रही है ताकि मुख्य विपक्षी दल को कमजोर किया जा सके।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' है जो सिर्फ कांग्रेस को हराने के लिए अपना रूप बदलती रहती है और इसके लिए वह किसी भी स्तर तक गिर सकती है। पवन खेड़ा ने कहा, ''गुजरात और पंजाब के चुनाव आ रहे हैं तो अरविंद केजरीवाल को नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर पेश किया जा रहा है क्योंकि भाजपा का असली मकसद कांग्रेस मुक्त भारत है।'' उन्होंने दावा किया कि कैसे कांग्रेस को कमजोर किया जाए, यही भाजपा का खेल है और इसमें कई खिलाड़ी और अंपायर बिके हुए हैं।

कोर्ट के फैसले के समय को लेकर सवाल खड़े होते है : देवेंद्र

दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव ने भी टिप्पणी की है कि इस तरह के घटनाक्रम अक्सर राज्यों में चुनावों के साथ मेल खाते हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि अदालत के फैसले के समय को लेकर सवाल खड़े होते हैं क्योंकि यह सब ऐसे वक्त हो रहा है जब गुजरात विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। वहीं जहां तक भाजपा की बात है तो आपको बता दें कि पार्टी सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि सीबीआई ऊपरी अदालत में जा रही है।

कांग्रेसी किस मुंह से बात करते हैं, उन्हें शर्म नहीं आती : केजरीवाल

दूसरी ओर, पवन खेड़ा के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैं आपसे पूछता हूं कि केजरीवाल जेल गया, क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गया? संजय सिंह जेल गया, क्या राहुल गांधी जेल गया? मनीष सिसोदिया जेल गया, क्या सोनिया गांधी जेल गईं? कांग्रेसी किस मुंह से बात करते हैं, उन्हें शर्म नहीं आती?

देश अपने ज्यूडिशियल और सिक्योरिटी सिस्टम की ताकत पर चलता है : अन्ना हजारे

अन्ना हजारे ने कहा कि हमारा देश अपने ज्यूडिशियल और सिक्योरिटी सिस्टम की ताकत पर चलता है। अलग-अलग पार्टियों, जातियों, धर्मों और समुदायों वाला इतना बड़ा देश होने के बावजूद, यह ज्यूडिशियरी की वजह से आसानी से काम करता है। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को एक्साइज पॉलिसी मामले में बरी करने के अदालत के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश अपनी न्यायपालिका की मजबूती के कारण सुचारू रूप से काम कर रहा है। अन्ना हजारे ने कहा कि हमारा देश अपने ज्यूडिशियल और सिक्योरिटी सिस्टम की ताकत पर चलता है। अलग-अलग पार्टियों, जातियों, धर्मों और समुदायों वाला इतना बड़ा देश होने के बावजूद, यह ज्यूडिशियरी की वजह से आसानी से काम करता है।

जांच एजेंसियों की मनमानी उजागर : महबूबा मुफ्ती

» केजरीवाल और सिसोदिया के आबकारी नीति मामले में बरी होने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने दिल्ली की एक अदालत द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में डिस्चार्ज किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस फैसले ने जांच एजेंसियों की मनमानी को उजागर कर दिया है। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जाता है, तो न्याय सबसे पहले प्रभावित होता है और सच्चाई सामने आने में वर्षों लग जाते हैं।

इस मामले में न तो प्रथम दृष्टया कोई ठोस मामला था और न ही कोई विश्वसनीय साक्ष्य, फिर भी लोगों को वर्षों तक जेल में रहना पड़ा। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत 21 अन्य आरोपियों को आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में डिस्चार्ज कर दिया। अदालत के इस फैसले को आरोपियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

सेमीफाइनल में क्वालिफाई करने के इरादे से उतरेगा भारत

» भारतीय टीम का कोलकाता में कल वेस्टइंडीज से होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 विश्वकप का मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर खेला जाएगा। भारत ने पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ विशाल स्कोर बनाया था और दिखा दिया था कि उसकी बल्लेबाजी में कितना दम है। भारत और वेस्टइंडीज दोनों के लिए यह मैच वर्चुअल नॉकआउट की तरह है। यानी जो टीम यह मुकाबला हारेगी उसका सफर सुपर आठ में ही थम जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेगी।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि ये मैच उसी पिच पर खेला जाएगा जिस पर स्कॉटलैंड और इटली के बीच ग्रूप चरण का मुकाबला खेला गया था। स्कॉटलैंड ने तब 200 रनों का आंकड़ा पार किया था। यानी भारत और वेस्टइंडीज मैच में भी रन बसरते हुए नजर आ सकते हैं, जैसा कि पिछले मैच में भी देखने मिला था। पिच काफी सूखी होने की संभावना है जिसके कारण स्पिन गेंदबाजी फिर से अहम भूमिका निभा सकती है। हालांकि ईडेन की पिच पर अच्छा उछाल मिलता है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या भी अपने मौके को भुनाने की उम्मीद रख सकते हैं। वहीं बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि रिंकू सिंह की वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले से शनिवार को कोलकाता में टीम इंडिया से जुड़ेंगे। रिंकू अपने पिता के निधन के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर लौटे थे।

पाक का श्रीलंका से करो या मरो का मुकाबला आज

पल्लेकल। न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की जीत से पाकिस्तान की उम्मीदें भले ही जीवंत हो गई हैं, लेकिन अगर उसे सेमीफाइनल में पहुंचना है तो हर हाल में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण का मुकाबला आज पल्लेकल में खेला जाएगा। पाकिस्तान का एक मैच पहले ही बारिश में धुल चुका है और दूसरा मुकाबला इंग्लैंड से हार चुका है। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों में एक जीत, एक हार और एक रद्द मैच के साथ तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट +1.390 का है। पाकिस्तान की टीम दो मैच में एक हार और एक रद्द मैच के साथ एक अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.461 का है। वहीं, सह-मेजबान श्रीलंका ने सुपर आठ में अपने शुरुआती दोनों मैच गंवाए जिससे उसका सफर थम गया।

कोर्ट का मोदी-शाह की बदले की भावना पर करारा तमाचा : उद्धव

» शिवसेना यूबीटी ने मुखपत्र सामना में साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिल्ली में आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और सिसोदिया समेत सभी 23 लोगों को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी करने पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के मुखपत्र सामना में लेख लिखा है जिसमें केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे मोदी-शाह की राजनीतिक बदले की भावना बताया और केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी आड़े हाथों लिया। सामना में लिखा कि कोर्ट ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया है। कोर्ट का ये आदेश मोदी-शाह की राजनीतिक बदले की भावना पर करारा तमाचा है।

कोर्ट ने साफ कर दिया कि उन पर लगे आरोपों में सच्चाई नहीं है। इसमें कोई आपराधिक साजिश नहीं थी। कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई जांच की धज्जियां उड़ा दी हैं। शिवसेना ने आरोप लगाए कि भाजपा ने दिल्ली सरकार की शराब नीति पर आरोप लगाए और साजिश रच इसकी वजह थी कि जनता द्वारा चुनी गई दिल्ली सरकार भाजपा की नहीं थी और केजरीवाल और सिसोदिया भाजपा के खिलाफ बोल रहे थे। जिसकी वजह से केजरीवाल के घर पर छापा मारा गया, बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लंबे समय तक जेल में रखा गया। पिछले दस सालों में विपक्ष को नेस्तनाबूद करने के लिए ऐसे कई झूठे मामले रचे गए। महाराष्ट्र में छगन भुजबल, अनिल देशमुख, नवाब मलिक और संजय राऊत को गिरफ्तार किया गया। छगन भुजबल को बरी कर दिया गया लेकिन, उन्हें ढाई साल तक जेल में रखा। ईडी अभी तक अनिल देशमुख, नवाब मलिक और संजय राऊत के खिलाफ मामला तैयार नहीं कर पाई है।

दोनों नेता माफी मांगे

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के बरी होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को उनसे माफी मांगनी चाहिए और सीबीआई निदेशक, पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए, जिनके नेतृत्व में ये झूठी कार्रवाई की गई। ये पूरा मामला कितना झूठ और फर्जी है, अब अदालत में इसका खुलासा हो गया है।

जांच एजेंसियां भाजपा सरकार के कुत्ते हैं

भारत की जांच एजेंसियां भाजपा सरकार के कुत्ते हैं, जिनके गले में पट्टा बंधा है, पहले वे भौंकते हैं और फिर बदन पर कूदकर काटते हैं। यह सब राजनीतिक आकाओं के आदेश पर हुआ।

कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल-वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे, जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे।

इन बूथों पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इन पिंक बूथों के जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी, जिससे सुरक्षा के प्रति भरोसा और बढ़ेगा।

बेइज्जती करवाने नहीं आते विस : जूली

» राजस्थान विस से कांग्रेस विधायकों का वॉकआउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान जमकर हंगामा हुआ। माहौल इतना गरमा गया कि विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य सदन से बाहर निकल आए। बाहर आकर नेताओं ने सरकार और स्पीकर पर गंभीर आरोप लगाए। टीकाराम जूली ने कहा कि विधानसभा का अपना एक गरिमामय इतिहास रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने साफ कहा, हम यहां अपनी बेइज्जती करवाने नहीं आते विपक्ष के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता।

यह 200 सदस्यों का सदन है, यह व्यवहार बर्दाश्त नहीं करेंगे। जूली ने आरोप लगाया कि डिमांड पर चर्चा के दौरान दोनों पक्षों को समय दिया जाता है, लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार बोलना चाहते थे, आसन ने उनका नाम भी पुकारा, लेकिन बाद में स्पीकर ने यह कह दिया कि उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसी दौरान उनका माइक भी बंद कर दिया गया, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। हंगामे और बहिष्कार के बाद विपक्ष ने अगला कदम तय करने के लिए बैठक बुलाने का फैसला किया है।

अब भारत में खुलेगा अरबों के छल का काला साम्राज्य

» ठगी का अंत: दुबई में दबोचा गया राशिद नसीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। होली का रंग इस बार सिर्फ गुलाल तक सीमित नहीं है। यह रंग उन लाखों लोगों की उम्मीदों का है, जिनकी मेहनत की कमाई को एक शातिर दिमाग ने सुनहरे सपनों के नाम पर निगल लिया था। यह रंग उस इंतजार के खत्म होने का है, जो लगभग दो दशकों से जारी था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठगी का साम्राज्य खड़ा करने वाला कुख्यात मास्टरमाइंड राशिद नसीम आखिरकार कानून के शिकंजे में है। सीबीआई ने उसे दुबई में दबोच लिया है और अब उसे भारत लाया जा रहा है। जहां अदालतें उसका इंतजार कर रही हैं और पीड़ितों की आंखें जवाब मांग रही हैं।

राशिद नसीम कि गिरफ्तारी उन लोगों के इंतजार को पूरा करने जैसी है जिन्होंने अपने बच्चों की फीस, अपनी पत्नी के गहने, अपने बुढ़ापे की जमा पूंजी सब कुछ इस भरोसे पर लगा दिया कि उनका पैसा दोगुना होगा। लेकिन हुआ उल्टा। पैसा गया, भरोसा टूटा और सपने बिखर गए। कभी खुद को सफल कारोबारी बताने वाला यह व्यक्ति दरअसल ठगी की ऐसी पटकथा लिख रहा था जिसमें अंत सिर्फ बर्बादी था। और अब वही कहानी पलट चुकी है। दुबई की चमक-दमक में छिपा यह चेहरा अब भारतीय कानून के सामने बेनकाब होगा। अब सवाल सिर्फ गिरफ्तारी का नहीं है सवाल उन राज़ों का है जो उसके साथ भारत लौटेंगे।

बिटक्वाइन का खेल

फिर आया डिजिटल युग और ठगी का तरीका भी डिजिटल हो गया। बिटकॉइन और ऑनलाइन निवेश के नाम पर उसने ठगी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा दिया। लोग समझ ही नहीं पाए कि वे निवेश कर रहे हैं या अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती। जब तक लोगों को सच्चाई का एहसास हुआ तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दफ्तर बंद हो चुके थे फोन नंबर बंद हो चुके थे और राशिद नसीम देश छोड़ चुका था। पीछे रह गए थे सिर्फ टूटे हुए सपने और खाली बैंक खाते।

साधारण अपराधी नहीं राशिद नसीम

लगभग दो दशकों से ठगी का जाल बुनने वाला राशिद नसीम कोई साधारण अपराधी नहीं था। यह वह नाम था जिसने सपनों को व्यापार बना दिया और भरोसे को अपने मुनाफे का जरिया। कानपुर से शुरू हुआ यह सफर जल्द ही लखनऊ तक पहुंचा जहां से पूरे देश और फिर विदेशों तक ठगी का नेटवर्क फैलाया गया। शुरुआत छोटी थी किश्तों में प्लॉट बेचने के नाम पर लोगों को जोड़ना। लेकिन धीरे-धीरे यह खेल बड़ा होता गया। जांच एजेंसियों के अनुसार राशिद ने निवेशकों को ऐसे सपने दिखाए जिनमें कम समय में भारी मुनाफे का वादा था। प्रेजेंटेशन, सेमिनार और चमकदार दफ्तर सब कुछ इतना भरोसेमंद दिखता था कि लोग बिना सवाल किए अपनी गाढ़ी कमाई सौंप देते थे। गरीब मजदूर, बेरोजगार युवा, विधवाएं कोई भी उसके निशाने से बच नहीं पाया।

लेकिन कानून की पकड़ से कोई हमेशा नहीं बच सकता

सीबीआई की लगातार कोशिशों, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार राशिद नसीम को दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया। अब उसे भारत लाया जा रहा है जहां उससे पूछताछ होगी और उसके पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि राशिद की गिरफ्तारी से उन लोगों के नाम सामने आएंगे जिन्होंने इस ठगी के साम्राज्य को खड़ा करने में उसकी मदद की। यह भी संभव है कि कई बड़े नाम इस जांच के दायरे में आएं। इस गिरफ्तारी से पीड़ितों के बीच खुशी की लहर है। उनके लिए यह सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं बल्कि न्याय की शुरुआत है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि राशिद नसीम भारत आकर क्या खुलासे करेगा। किन लोगों के नाम सामने आएंगे। कितने राज़ उजागर होंगे। एक बात तय है जिस व्यक्ति ने वर्षों तक कानून से बचकर ऐश की जिंदगी जी अब उसे उसी कानून के सामने जवाब देना होगा। और शायद पहली बार उसके पास कोई बहाना नहीं होगा।

स्वघोषित विश्वगुरु का फिर पर्दाफाश हो गया: जयराम

» पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष पर ट्रंप की तारीफ पर कांग्रेस का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष पर हालिया रुख के बाद स्वघोषित विश्वगुरु का पर्दाफाश हो गया है। रमेश ने अफगानिस्तान के साथ अमेरिका के बढ़ते संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के लिए ट्रंप के स्पष्ट और खुले समर्थन को भारतीय हग्लोमेसी के लिए एक बड़ा झटका बताया।

एक पोस्ट में रमेश ने लिखा कि अफगानिस्तान के साथ युद्ध में पाकिस्तान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का स्पष्ट और खुला समर्थन भारतीय हग्लोमेसी के लिए एक और झटका है। उन्होंने एक बार फिर उस व्यक्ति की प्रशंसा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, जिसकी भड़काऊ टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी, जिन्हें पाकिस्तान ने अंजाम दिया था। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि दोनों देशों के बीच आर्थिक कूटनीति बुरी तरह विफल हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से एकतरफा व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसमें भारत ने अमेरिकी किसानों से आयात करने का वादा किया है, जबकि बदले में उसे केवल अस्पष्ट रियायतें मिली हैं। पोस्ट में लिखा था कि अमेरिका के साथ हमारी आर्थिक कूटनीति बुरी तरह विफल हो गई है, जैसा कि श्री मोदी के अचानक एक स्पष्ट रूप से एकतरफा व्यापार समझौते के आगे झुक जाने से स्पष्ट होता है। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुक्रवार (स्थानीय समय) को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष में हस्तक्षेप करने पर विचार करने की बात कहने के बाद सामने आई है, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ अपने अच्छे संबंधों पर जोर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं हस्तक्षेप करूंगा। लेकिन पाकिस्तान के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं। उनके पास एक महान प्रधानमंत्री, एक महान जनरल और एक महान नेता हैं। ये दोनों ऐसे लोग हैं जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूं। पाकिस्तान बहुत अच्छा कर रहा है। काबुल और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ गया है, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर जवाबी हमले का आरोप लगा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।

दिवंगत अजित पवार और सुनेत्रा पवार को 25000 करोड़ के घोटाले में मिली क्लीन चिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की उस रिपोर्ट को मान लिया है, जिसमें महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (शिखर बैंक) में लोन बांटते समय करीब 25,000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को क्लीन चिट दी गई थी।

कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए कहा है कि मामले में कोई भी सजा लायक अपराध साबित नहीं हुआ है। विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा की दिवंगत उपमुख्यमंत्री की सी-समरी रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। इससे अजित पवार समेत उन सभी राजनीतिक नेताओं को राहत मिली, जिसका नाम इस घोटाले में शामिल था। अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए कहा कि कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में कोई दंडनीय अपराध साबित नहीं हुआ है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा 25,000 करोड़ रुपये के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक मामले में दायर की गई क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया।

झारखंड: 48 नगर निकायों के चुनाव में मिलाजुला जनादेश

भाजपा, कांग्रेस और झामुमो समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, रांची में भाजपा समर्थित प्रत्याशी को बढ़त

» झारखंड निकाय चुनाव में रांची से रोशनी खलखो की बढ़त हजारीबाग और कई नगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में 48 नगर निकायों के लिए हुए चुनाव में इस बार मिला-जुला जनादेश सामने आ रहा है। कई निकायों में अध्यक्ष-मेयर पद पर भाजपा, कांग्रेस और झामुमो समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है।

वहीं, अनेक निकायों में स्वतंत्र प्रत्याशियों ने बाजी मारकर प्रमुख दलों को कड़ी टक्कर दी है. आठ वर्षों के अंतराल के बाद हुए इन शहरी निकाय चुनावों के नतीजे राज्य की स्थानीय राजनीति की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। राज्य के 9 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायतों के लिए 23 फरवरी को मतदान हुआ था। शुक्र वार सुबह आठ बजे से शुरू हुई मतगणना के बाद 27 शहरी निकायों में मेयर-अध्यक्ष के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राजधानी रांची नगर निगम में मेयर पद के लिए भाजपा समर्थित रोशनी खलखो ने करीब 30 हजार मतों की बढ़त बना ली है, जबकि कांग्रेस समर्थित रमा खलखो दूसरे स्थान पर हैं. हजारीबाग नगर निगम में स्वतंत्र प्रत्याशी अरविंद कुमार राणा ने 23,500 मत हासिल कर मेयर पद पर जीत दर्ज की. उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सरफराज अहमद को 4,657 मतों से पराजित किया. चास नगर निगम में जमील अख्तर मेयर निर्वाचित हुए हैं।

अमेरिका की मदद से इजरायल ने किया ईरान पर हमला

खामेनेई के ऑफिस के पास दागी मिसाइल, तेहरान में धमाकों की आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजरायल ने अमेरिका की मदद से ईरान पर बड़ा हमला किया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंट्रल तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। पहला हमला सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के ऑफिस के पास हुआ। तेहरान में मेहराबाद एयरपोर्ट पर हमले की आवाज सुनी गई।

ईरान पर हमला करने के बाद इजरायल ने अपने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है और सुरक्षित जगहों पर रहने की अपील की है। कर्मचारियों को शेल्टर में जाने के लिए कहा गया है। इजरायल के रक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा,इजरायल ने ईरान के खिलाफ एक प्रिवेंटिव मिसाइल हमला किया है। ईरान में राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाया गया। इसके साथ ही कई मंत्रालयों के भवन पर भी हमला हुआ है। इजरायल ने ईरान की खुफिया एजेंसी के दफ्तर पर निशाना साधा है। इजरायल ने ईरान में करीब 30 ठिकानों पर हमला किया है। इजरायली सेना ने कहा कि उसने देश भर के इलाकों में एयर रेड सायरन बजा दिए हैं ताकि जनता को जवाबी कार्रवाई में इजरायल की ओर मिसाइल दागे जाने की संभावना के लिए तैयार किया जा सके।

ईरान ने बंद किया एयरस्पेस

इजरायली हमलों को देखते हुए ईरान ने भी एयरस्पेस बंद कर दिया है। इजरायल के धमाकों से ईरान में दहशत का माहौल है।

पाकिस्तान व अफगानिस्तान में जंग जारी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जंग के हालात बने हुए हैं और दोनों ओर से ही हमलों का दौर जारी है। इस बीच पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि अफगान तालिबान और उनके सहयोगी आतंकवादी समूहों के लगभग 300 जवान उनके खिलाफ चल रहे अभियान में मारे जा चुके हैं। वहीं, सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने देर रात दिए अपडेट में कहा कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन गजब-लिल-हक के दौरान पाकिस्तान ने उनकी 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ लगभग 135 टैंक और बख्तरबंद वाहन भी नष्ट कर दिए गए। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान भर में लगभग 29 स्थानों को भी प्रभावी ढंग से निशाना बनाया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा